सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

सभी जिला और विधानसभा प्रभारियों को हटाया

कानपुर, मंगलवार, 26 अगस्त, 2025
वर्षः 02, अंकः 225, पृष्ठः 8+4

इनसाइड अखिलेश दुबे की जालसाज पीड़िता गिरतार... Pg 02

Pg 12

बोले सीएम-यूपी में कार्य करने वाले युवाओं को मिलेगी न्यूनतम वेतन की गारंटी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में कार्य करने वाले प्रत्येक युवा को न्यूनतम वेतन की गारंटी दी जाएगी। कोई भी कंपनी या नियुक्ता कर्मचारी का शोषण नहीं कर पाएगा। नियुक्ति देने वाली कंपनियां अपने कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन सुनिश्चित करेंगी, जबकि इसके अतिरिक्त चार्जेज की जिम्मेदारी सरकार उठाएगी। मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि यह व्यवस्था युवाओं को सम्मानजनक रोजगार, नौकरी की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ में आयोजित तीन दिवसीय 'रोजगार महाकुंभ 2025' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य बन रहा है, जहां काम करने वाले हर युवा को न्यूनतम मजदूरी और न्यूनतम वेतन की गारंटी सुनिश्चित की जा रही है। मुख्यमंत्री ने युवाओं को अपार ऊर्जा का स्रोत बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी युवा आबादी इस राज्य के लिए सौभाग्य है। उन्होंने कहा कि आज यूपी की प्रतिभा की मांग देश-दुनिया में हो रही है, और जो प्रदेश कभी रोजगार के लिए पलायन का दंश झेलता था, आज वही रोजगार उपलब्ध करा रहा है।

» सीएम योगी ने लखनऊ में रोजगार महाकुंभ का शुभारंभ किया

» नियोक्ता कंपनियों के अतिरिक्त चार्जेज वहन करेगी सरकार- मुख्यमंत्री

पलायन से अवसर की ओर बदला उत्तर प्रदेश का परिदृश्य-सीएम : मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी पूरा-का-पूरा गांव रोजगार के लिए प्रदेश छोड़कर पलायन करता था, लेकिन आज वही उत्तर प्रदेश अपने भीतर ही रोजगार के अवसर उपलब्ध करा रहा है। यह परिवर्तन बीते 8 वर्षों में हुए सुनियोजित प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मिशन रोजगार और विकसित भारत के संकल्प का हिस्सा है।

एक जिला एक उत्पाद योजना ने परंपरागत उत्पादों को दी नई पहचान- मुख्यमंत्री : मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 'एक जिला एक उत्पाद' योजना के जरिए परंपरागत उद्यमों को नई पहचान दी गई है। एमएसएमई सेक्टर में 96 लाख यूनिट पुनर्जीवित हुए हैं। कोरोना काल में जब 40 लाख से अधिक प्रवासी कामगार लौटे, तब इन्हीं एमएसएमई यूनिट्स ने 90% को रोजगार दिया, और वे आज भी उसी व्यवस्था से जुड़े हैं। सीएम योगी ने बताया कि प्रदेश सरकार ने एमएसएमई यूनिट्स का रजिस्ट्रेशन करवाने वाले उद्यमियों को 5 लाख रुपये का सुरक्षा बीमा कवर उपलब्ध कराया है।

8.5 लाख युवाओं को मिली सरकारी नौकरी

सीएम योगी ने कहा कि बीते 8 वर्षों में पारदर्शिता के साथ 8.5 लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गई हैं। इसमें पुलिस विभाग, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पीडब्ल्यूडी और विश्वविद्यालयों में भी बड़ी संख्या में नियुक्तियां हुई हैं। इतने कम समय में इतनी संख्या में युवाओं को सरकारी नौकरी उपलब्ध करवाने वाला देश के अंदर सबसे बड़े राज्य के रूप में उत्तर प्रदेश की गिनती आती है।

श्रमिकों की सुरक्षा पर दिया विशेष जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमिकों के हितों की रक्षा और उद्योगों की सुचारुता दोनों को ध्यान में रखते हुए श्रम कानूनों में सुधार किए जा रहे हैं। किसी भी आउटसोर्सिंग कंपनी के माध्यम से श्रमिक का शोषण नहीं होने दिया जाएगा। श्रमिक का पूरा वेतन मिलना अनिवार्य होगा, जबकि अतिरिक्त चार्जेज सरकार वहन करेगी। वहीं, सीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश स्टार्टअप मिशन और स्किल डेवलपमेंट मिशन के जरिए युवाओं को नई तकनीकों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स और इंटरनेट ऑफथिंग्स की ट्रेनिंग दी जा रही है।

मांगा समर्थन 'उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार न्यायमूर्ति बी सुदर्शन रेड्डी के भाषण ने सबका दिल जीत लिया'

उपराष्ट्रपति पद के प्रत्याशी को लेकर अखिलेश यादव ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

लखनऊ। अखिलेश यादव ने कहा, जिस राजनीतिक माहौल में चुनाव होना है और उसके लिए एक न्यायाधीश से बेहतर विकल्प क्या होगा। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जो भी न्याय के पक्षधर हैं वे अपनी अंतरात्मा की आवाज़ पर हम लोगों के कैंडिडेट के पक्ष में वोट डालेंगे। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी उप राष्ट्रपति जैसे महत्वपूर्ण पद को भी एक विशेष विचारधारा से बांधकर रखना चाहती है जो कि देश हित में कतई नहीं है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां बात सिर्फ हार-जीत तक सीमित नहीं है बल्कि कुछ सिद्धान्तों की भी बात होती है इसलिए जिस दिन अंतरात्मा के आवाज पर मत पड़ेगा, तब उप राष्ट्रपति जैसे महत्वपूर्ण पद निश्चित ही हम लोगों के प्रत्याशी न्यायमूर्ति बी सुदर्शन रेड्डी सुशोभित होंगे।

उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार न्यायमूर्ति बी सुदर्शन रेड्डी के भाषण ने सबका दिल जीत लिया।

उन्होंने हिन्दी भाषा में सम्बोधित करते हुए कहा, 'दिल में तो बहुत ख्वाहिश है कि आप लोगों से हिन्दी में बात करूं लेकिन शायद हो नहीं पायेगा। फिर भी कोशिश करते हैं।' बी सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि मैंने लोहिया जी और नेता जी से बहुत कुछ सीखा। उन्होंने कहा कि कुछ कारणवश मैं हिन्दी में भाषण देना सीख नहीं पाया लेकिन जब कभी हिन्दी भाषी राज्यों में आना होता है तब इस भाषा में संवाद करने की थोड़ी बहुत कोशिश जरूर करता रहता हूं। उन्होंने आगे कहा कि मुझे उप राष्ट्रपति पद हेतु उम्मीदवार चुनने के लिए प्रतिपक्ष दल के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। मुझे समर्थन देने के लिए इण्डिया ब्लॉक के अलावा वे दल भी आगे आ रहे हैं जो कि इस ब्लॉक का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने कहा कि मैं यहां क्यों आया हूं यह किसी को बताना की आवश्यकता नहीं है क्योंकि सबको पता है कि मैं उत्तर प्रदेश के सांसदों का समर्थन प्राप्त करने के लिए यहां आया हूं।

बता दें कि उत्तर प्रदेश में बी सुदर्शन रेड्डी का यह महत्वपूर्ण दौरा उप राष्ट्रपति पद के चुनाव में यहां के सांसदों का समर्थन प्राप्त करने हेतु था।

अथक प्रयास

ऑपरेशन महाकाल में खुला राज़

अखिलेश दुबे की जालसाज़ पीड़िता गिरफ्तार

» अखिलेश दुबे के कारनामों की राजदार जाल साज पीड़िता आखिरकार पुलिस ने दबोची

» पुलिस के शिकंजे में आई जाल साज पीड़िता, अखिलेश दुबे के लिए गढ़ती थी कहानियां

ऑपरेशन महाकाल

प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर। भूमाफिया अधिवक्ता अखिलेश दुबे के काले कारनामों का पर्दाफाश लगातार जारी है। पुलिस ने उस निराला नगर की शिक्षित युवती को भी खोज निकाला है जो लंबे समय से दुबे के इशारे पर झूठे मुकदमे दर्ज कराती थी। अखिलेश की गिरफ्तारी के बाद से ही युवती शहर से गायब हो गई थी और हरदोई स्थित अपने पैतृक गांव में छिपी थी। कई महीनों की तलाश और गैंग के पकड़े गए सदस्य शैलेंद्र उर्फ टोनू के खुलासे के बाद पुलिस उसे ढूंढने में सफल हुई। सूत्रों के अनुसार युवती ने पूछताछ में अखिलेश और उसके नेटवर्क के कई काले राज खोले हैं। युवती ने यह भी स्वीकार किया कि वर्ष 2022 और 2023 में उसने गोविंदनगर क्षेत्र में होटल मैनेजर और अन्य लोगों पर छेड़छाड़ और दुष्कर्म जैसे झूठे मुकदमे उसी के इशारे पर कराए थे।

जांच में यह भी सामने आया है कि इन मुकदमों का मकसद पीड़ितों को ब्लैकमेल कर पैसे ऐंठना था। अब पुलिस युवती और उसकी बहन दोनों को सरकारी गवाह बनाने की तैयारी में है ताकि अदालत में अखिलेश के खिलाफ मजबूत सबूत पेश किए जा सकें। मजिस्ट्रेटी बयान में युवती ने अखिलेश और उसके सहयोगियों से जान का खतरा भी जताया है, जिसके बाद पुलिस ने सुरक्षा के लिहाज से उसे वापस गांव भिजवा दिया।

गैंग पर शिकंजा कसने की तैयारी

पुलिस अब अखिलेश दुबे गैंग के अन्य सक्रिय सदस्यों को पकड़ने के लिए सर्विलांस सेल को पूरी तरह एक्टिव कर चुकी है। करीब एक दर्जन से अधिक सदस्यों के मोबाइल नंबरों की कॉल डिटेल रिपोर्ट (सीडीआर) खंगाली जा रही है और लोकेशन लगातार ट्रैक की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि गैंग के कई आरोपी इन दिनों अपनी अवैध संपत्तियां बेचने के प्रयास में जुटे हैं ताकि एसआईटी की कार्रवाई से बच सकें। पुलिस ने चेतावनी दी है कि लोग सस्ते के लालच में ऐसे विवादित सौदे करने से बचें, क्योंकि जांच के दायरे में आने वाली संपत्तियां जब्त की जा सकती हैं।

इधर, भाजपा नेता और होटल कारोबारी रवि सतीजा ने गंभीर आरोप लगाया कि अखिलेश दुबे ने उनसे 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगी थी और षड्यंत्र रचकर उन पर फर्जी दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट का मुकदमा दर्ज कराया। विवेचना में यह मुकदमा झूठा पाया गया। एसआईटी की जांच में अखिलेश पर रंगदारी, जमीन कब्जाने, ब्लैकमेलिंग और सरकारी अधिकारियों से सांठगांठ के सबूत भी मिले हैं। पुलिस अब उसकी न्यायिक रिमांड लेने की तैयारी कर रही है ताकि पुराने मामलों की गहराई से पड़ताल हो सके। ऑपरेशन महाकाल के तहत अब तक सामने आई शिकायतों में अखिलेश और उसके गैंग का नाम बार-बार सामने आ रहा है। सूत्रों के अनुसार उसकी गिरफ्तारी के बाद कई सफेदपोश और कुछ पुलिसकर्मी भी राडार पर आ चुके हैं, जो लंबे समय से इस गैंग को संरक्षण देते रहे।

स्वराज इंडिया की पड़ताल से खुला था जालसाज़ पीड़िताओं का खेल

स्वराज इंडिया ने कई महीने पहले ही कानपुर के अंदर सक्रिय उन जालसाज़ पीड़िताओं का चेहरा बेनकाब करना शुरू कर दिया था, जो संगठित तरीके से पैसे वाले और प्रभावशाली लोगों को निशाना बनाती थीं। अखबार में प्रकाशित खुलासों के मुताबिक, ये महिलाएं पहले किसी माध्यम से टारगेट के करीब पहुंचतीं और फिर झूठे मुकदमों या सामाजिक बदनामी के डर से उनसे मोटी रकम वसूलतीं। कई मामलों में इन जालसाज़ पीड़िताओं के जरिए कीमती जमीनों पर भी कब्जा कर लिया जाता था। इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए मिश्रिख से सांसद अशोक रावत ने भी कानपुर पुलिस आयुक्त अखिल कुमार को प्रार्थना पत्र देकर इन खुलासों को सच मानते हुए जांच की मांग की थी। अब ऑपरेशन महाकाल की कार्रवाई से साफ हो रहा है कि स्वराज इंडिया की मुहिम ने समय रहते एक बड़े गैंग का असली चेहरा उजागर कर दिया था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि कानपुर के कई सामाजिक संस्थान, जो महिलाओं की सेवा और सुरक्षा के नाम पर सक्रिय हैं, दरअसल इन्हीं जालसाज़ पीड़िताओं को तैयार करने और उन्हें अखिलेश दुबे जैसे अपराधियों से जोड़कर अवैध कमाई कराने का अड्डा बने हुए हैं।

थाने में अपमान, पूर्व सीएम अखिलेश यादव के सामने फूट फूट कर रोया युवक

» पनकी इंस्पेक्टर मानवेंद्र सिंह पर जूतों से पीटने और जातिसूचक गालियां देने का आरोप

» पड़ोसी से विवाद के बाद थाने पहुंचे थे दोनों पक्ष

» आरोप हैं कि जातिवादी मानसिकता से ग्रसित इंस्पेक्टर ने अपमानित किया

अपमानित करने के आरोपी पनकी थाने के इंस्पेक्टर मानवेंद्र सिंह

लखनऊ में पूर्व सीएम की प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोकर व्यथा बताता कानपुर का पीड़ित युवक सत्यम त्रिवेदी

प्रमुख संवाददाता,/ स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर पुलिस की बेलगाम कार्यप्रणाली का एक और दर्दनाक मामला सामने आया है। पनकी थाने में कथित तौर पर युवक को न सिर्फ अपमानित किया गया, बल्कि थाने के भीतर ही जूतों से पीटते हुए जातिसूचक गालियां भी दी गईं। पीड़ित न्याय के लिए दर-दर भटकता रहा, लेकिन जब कहीं सुनवाई नहीं हुई तो अंततः वह लखनऊ जाकर पूर्व मुख्यमंत्री और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव तक पहुंचा।

सिटी के रतनपुर निवासी सत्यम त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि 25 अप्रैल 2025 को पड़ोसी के साथ नाली को लेकर विवाद हुआ था। मामले को सुलझाने के लिए दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया। लेकिन, सत्यम का कहना है कि इंस्पेक्टर मानवेन्द्र सिंह ने पक्षपात करते हुए उसके पड़ोसी को कुर्सी पर बैठाया और उसे जमीन पर बैठाकर अपमानित किया। सत्यम का आरोप है कि इसी दौरान इंस्पेक्टर ने न सिर्फ उन्हें गालियां दीं, बल्कि जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए जूतों से पीटा। मैं इंसाफ की उम्मीद लेकर थाने गया था, लेकिन वहां मेरे साथ ऐसा व्यवहार हुआ जैसे मैं कोई अपराधी हूं। – सत्यम ने रोते हुए बताया।

शिकायत पर भी नहीं हुई सुनवाई

पीड़ित ने बताया कि घटना के बाद उन्होंने पुलिस आयुक्त कार्यालय में भी लिखित शिकायत दी।

लेकिन कई दिनों तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इंसाफ की उम्मीद टूटने पर उन्होंने लखनऊ जाकर अपनी आपबीती पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को सुनाई।

मुलाकात के दौरान सत्यम भावुक हो उठे और फूट-फूटकर रो पड़े। अखिलेश यादव ने उन्हें ढांढस बंधाते हुए भरोसा दिलाया कि समाजवादी पार्टी हर स्तर पर न्याय दिलाने का प्रयास करेगी।

सपा ने उठाई पीड़ित की आवाज

सपा युवजन सभा के महानगर अध्यक्ष अर्पित त्रिवेदी ने इस पूरे प्रकरण को मानवाधिकार का खुला उल्लंघन करार दिया। उन्होंने कहा– थाने में जातिसूचक गालियां देना और जूतों से मारना शर्मनाक है। यह पुलिस की बेलगाम कार्यप्रणाली और कानून-व्यवस्था की सच्चाई उजागर करता है। हम इसकी उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हैं।

पुलिस का पलटवार

वहीं, इस मामले पर पनकी थानाध्यक्ष मानवेन्द्र सिंह ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया। उनका कहना है कि सत्यम और उसके पड़ोसी के बीच विवाद हुआ था, जिसमें पड़ोसी ने ही मारपीट की थी। पुलिस ने निष्पक्ष कार्रवाई की।

उन्होंने यह भी कहा कि सत्यम के खिलाफ पहले से ही पनकी और गुजैनी थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं। ऐसे में वह खुद को पीड़ित साबित करने के लिए झूठे आरोप गढ़ रहा है।

न्याय और व्यवस्था पर उठे सवाल

यह मामला केवल एक युवक की व्यथा नहीं, बल्कि बेलगाम पुलिसिंग और आम नागरिकों की सुरक्षा व सम्मान से जुड़े गंभीर सवाल खड़ा करता है।

जब थाने में ही न्याय मांगने वाला व्यक्ति अपमानित और प्रताड़ित हो, तो व्यवस्था पर जनता का भरोसा कैसे कायम रह पाएगा?

सत्यम त्रिवेदी का संघर्ष अब पुलिस और सियासत के बीच टकराहट का रूप ले चुका है। आने वाले दिनों में देखना होगा कि इस मामले में पीड़ित को न्याय मिलता है या यह प्रकरण भी कई अन्य मामलों की तरह फाइलों में दबकर रह जाएगा।

कानपुर में इलेक्ट्रिक लग्जरी कार का तांडव

प्रमुख संवाददाता,/ स्वराज इंडिया

कानपुर। जाजमऊ में सोमवार रात एक तेज रफ्तार इलेक्ट्रिक लग्जरी कार ने कहर बरपा दिया। कैंट से पुरानी चुंगी की ओर जा रही कार अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क पर जा रहे बाइक सवार, स्कूटी सवार भाई-बहन और फुटपाथ पर बैठे एक मोची को टक्कर मार दी। इसके बाद कार डिवाइडर तोड़ते हुए सीधे बारावफात के लिए सज रहे पंडाल में घुस गई। हादसे में चार लोग घायल हो गए। मौके पर अफरातफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भाग खड़े हुए।

बाइक-स्कूटी सवार और मोची घायल

हादसे में जाजमऊ निवासी आदिल, मेस्टन रोड निवासी मोहम्मद आसिफ और उनकी बहन आयशा समेत मोची हरिराम घायल हुए। घायलों को पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के दौरान कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

लोगों ने मौके पर कार चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

थाना प्रभारी जाजमऊ जितेंद्र सिंह ने बताया कि अभी तक किसी पक्ष से तहरीर नहीं दी गई है। घायल पक्ष और कार मालिक आपसी समझौते की बात कर रहे हैं। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अरौल में बुआ-फूफा के घर रह रही किशोरी से छेड़छाड

पीड़िता की मां की तहरीर पर मुकदमा दर्ज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। कन्नौज की एक किशोरी से छेड़छाड़ और अश्लील वीडियो बनाने का मामला सामने आया है। पीड़िता अपनी बुआ-फूफा के घर अरौल कस्बे में रहकर पढ़ाई करती है। घटना के बाद पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ पास्को सहित कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक अरौल कस्बे का निवासी आशीष कुमार गुप्ता मोहल्ले में ही किराए पर दुकान चलाता है। वह लंबे समय से किशोरी पर गंदी नजर रखे था। आरोप है कि वह मोबाइल पर अश्लील मैसेज भेजकर उसे परेशान करता था।

बीते दिनों जब किशोरी घर पर अकेली थी, तभी आरोपी जबरन अंदर घुस आया और उसे पकड़कर अश्लील हरकतें करने लगा। इस दौरान उसने वीडियो भी बना लिया और धमकी दी कि अगर किसी को बताया तो वायरल कर दूंगा।

घटना के बाद डरी-सहमी किशोरी ने रोते हुए बुआ-फूफा को पूरी बात बताई। इसके बाद मां भी मौके पर पहुंचीं और थाने जाकर लिखित तहरीर दी। पुलिस ने छेड़छाड़, धमकी और पास्को एक्ट में एफआईआर दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

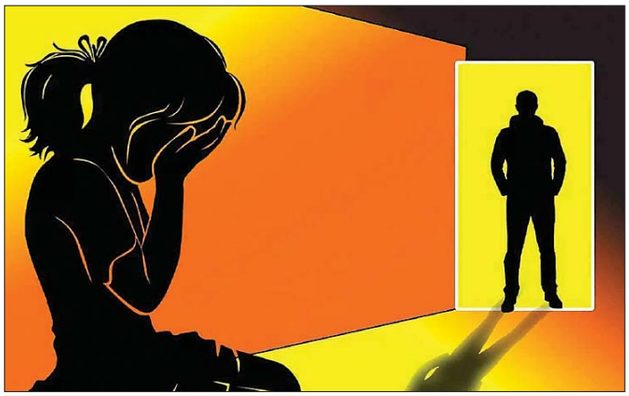

» आरोपित युवक ने बनाया वीडियो, वायरल करने की धमकी का आरोप

» पिता का आरोप कुछ लोग समझौता करने का बना रहे दबाव

...क्या बिटिया हमने इसीलिए पैदा की!

पीड़िता के पिता ने मीडिया से बातचीत में आरोप लगाया कि उन पर समझौते का दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कई लोगों के फोन आ रहे हैं और करीब एक दर्जन लोग घर तक आकर रुपये लेकर मामला रफा-दफा करने की बात कह चुके हैं। ग्राम प्रधान भी लड़के पक्ष का समर्थन कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि बिटिया क्या हमने इसीलिए पैदा की है। हमें न्याय चाहिए। लोग अपनी बिटिया समझकर फैसला करें।

तहसीलदार बिल्हौर को ज्ञापन सौंपते सपाई।

किसानों की समस्याओं पर सपा ने खोला मोर्चा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» कार्यकर्ता बोले सड़क से सदन तक चलेगी लड़ाई

» बी.पी. मंडल की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई

बिल्हौर (कानपुर)। समाजवादी पार्टी की मासिक संगोष्ठी में सोमवार को किसानों की खाद संकट की समस्या छाई रही। विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने संगठन की मजबूती और आगामी कार्यक्रमों पर विचार किया।

सभा में वक्ताओं ने कहा कि यूरिया व डीएपी की कमी से किसान बेहद परेशान हैं। खेतों की पैदावार पर इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा है। सपा प्रवक्ता नितेन्द्र यादव और अपर्णा यादव ने प्रशासन से मांग की कि तुरंत पर्याप्त खाद उपलब्ध कराई जाए, वरना पार्टी आंदोलन करने को बाध्य होगी। सपाइयों ने सर्वसम्मति से संकल्प लिया कि किसानों, गरीबों और पिछड़े वर्गों की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक जारी रहेगी। इस दौरान बी.पी. मंडल की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के बाद कार्यकर्ताओं ने बिल्हौर तहसील कार्यालय पहुँचकर तहसीलदार बिल्हौर अनुभव चंद्र को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर पूर्व प्रत्याशी रचना सिंह गौतम, आशीष कटियार, हरिओम पांडेय, सोमेश दीक्षित सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ऑपरेशन महाकाल — थाने पर पहुंची शिकायत पर कोतवाल नाराज, कुछ मातहतों को दी कड़ी हिदायत

कस्बे के दो संदिग्ध वसूलीबाजों पर पुलिस की नजर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। जिले में ऑपरेशन महाकाल के तहत लगातार आपराधिक गतिविधियों पर नकेल कसने की कवायद तेज कर दी गई है। इसी क्रम में बिल्हौर कस्बे में अवैध वसूली करने वाले दो संदिग्धों पर पुलिस ने अपनी निगाहें टिका दी हैं।

बताया जा रहा है कि ये लोग लंबे समय से दुकानदारों, कारोबारियों और राहगीरों को तरह-तरह के बहाने से परेशान कर उगाही किया करते थे। सूत्रों का कहना है कि जब इस गोरखधंधे की शिकायत हाल ही के दिनों में सीधे थाने तक पहुँची, तो कोतवाल अशोक कुमार सरोज भड़क उठे। उन्होंने तुरंत मातहतों को तलब कर नाराजगी जताई और चेतावनी दी कि कस्बे में अवैध वसूली किसी भी हाल में बदाश्त नहीं की जाएगी। माना जा रहा है कि कुछ मातहतों की लापरवाही और मिलीभगत की वजह से संदिग्धों के हौसले बुलंद थे। कस्बे में यह चचाज़ आम है कि यह लोग अक्सर तहसील, चौकी और सावर्जनिक स्थलों के आसपास घूमते-फिरते नजर आते थे। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि उनकी हरकतों से लोगों का जीना मुहाल हो गया था। छोटे व्यापारियों और ठेले-खोमचे वालों तक से वसूली की बात सामने आई है। अब जबकि पुलिस ने मोचाज़ संभाल लिया है तो कस्बे के लोगों में राहत की उम्मीद जगी है। लोग मानते हैं कि यदि पुलिस ने इस बार सख्त कारज़्वाई कर दी तो लंबे समय से जारी अवैध उगाही के खेल पर विराम लग सकता है।

कोतवाल का सख्त संदेश : कोतवाल अशोक कुमार सरोज ने साफ शब्दों में कहा कि बिल्हौर कस्बे की शांति और सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर नहीं बख्शा जाएगा। यदि कोई मातहत लापरवाह या संदिग्धों के साथ सांठगांठ में पाया गया तो उस पर भी कड़ी कार्रवाई होगी।

आगे की कार्रवाई पर टिकी निगाहें

फिलहाल पुलिस ने दोनों संदिग्धों को राडार पर ले लिया है और उनकी गतिविधियों पर खुफिया नजर रखी जा रही है। कस्बे के लोगों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि जांच पूरी होने के बाद पुलिस क्या बड़ा कदम उठाती है। लोगों को यही उम्मीद है कि ऑपरेशन महाकाल के तहत अवैध वसूली करने वाले जल्द ही सलाखों के पीछे होंगे।

सम्पादकीय

पंजाबी ड्राइवरों के खिलाफ अमेरिका में दुराग्रह

यूं तो जब से अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप सत्ता में आए हैं विदेशियों, खासकर भारतीयों के खिलाफ अमेरिका में नस्लभेदी नजरिया लगातार अपनाया जा रहा है। पहले आप्रवासी भारतीय कामगारों के खिलाफ कथित अवैध आव्रजन का आरोप लगाकर उन्हें अपमानित करके अमेरिका से निकाला गया। यहां तक कि उनके साथ अमानवीय व्यवहार करके उत्पीड़न किया गया। उन्हें हथकड़ियां तक लगाई गईं। कभी आदर्श लोकतंत्र व उच्च मानवीय मूल्यों का दंभ भरने वाला अमेरिका आज ट्रंप की नस्लवादी नीतियों से अपनी प्रतिष्ठा खो बैठा है।

पिछले दिनों ट्रंप ने आईटी उद्योग व सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के शीर्ष पदों पर बैठे भारतीयों को हटाने तक की बात कही थी। तंग नजरिये के राष्ट्रवाद के प्रचार से सत्ता में आए ट्रंप लगातार भारत विरोधी नजरिया अपनाए हुए हैं। अतार्किक टैरिफ उसकी गवाही देते हैं। अब नया मुद्दा अमेरिका को खून-पसीने से सींचने वाले पंजाबी ट्रक ड्राइवरों की रोजी-रोटी से जुड़ गया। परदेस गए करीब डेढ़ लाख ट्रक ड्राइवरों के भविष्य पर सवालिया निशान लग गया है। दरअसल, अमेरिका के फ्लोरिडा प्रांत में पिछले दिनों एक भारतीय ट्रक चालक द्वारा गलत टर्न लेने से तीन अमेरिकी नागरिकों की मौत को बड़ा मुद्दा बना दिया गया है। उसके बाद अमेरिका में ट्रक चलाने वाले विदेशी चालकों को निशाने पर लिया जा रहा है। दलील दी जा रही है कि अमेरिका में लगातार बढ़ते विदेशी ट्रक चालकों की वजह से अमेरिकी नागरिकों का जीवन खतरे में पड़ गया है। जिसके चलते विदेशी ट्रक चालकों के वर्क वीजा और कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस पर रोक लगा दी गई है। जिसके चलते पंजाब से अमेरिका गए करीब डेढ़ लाख पंजाबी ट्रक ड्राइवरों की जीविका पर संकट पैदा हो गया है। दरअसल, दमखम रखने वाले पंजाबी गबरुओं का सपना रहा है कि अमेरिका में भारी-भरकम कमर्शियल वाहन चलाएं। वे भारत में प्रशिक्षण लेकर किसी भी देश का वीजा हासिल करके बाद में अमेरिका चले जाते हैं।

वे महीने में पांच से छह सौ किलोमीटर ट्रक चलाकर पांच-छह लाख तक कमा लेते हैं।नस्लीय नजरिये से ग्रस्त ट्रंप शासन-प्रशासन यह नहीं देख रहा है कि इन ट्रक चालकों ने अमेरिका की समृद्धि में कितना योगदान दिया। अमेरिका के पास इतनी श्रमशक्ति नहीं है कि वह पंजाबी ट्रक चालकों का सहज विकल्प तलाश सके। लेकिन हकीकत को नजरअंदाज करके भारतीय चालकों को निशाना बनाया जा रहा है। इससे पहले ट्रक चालकों को इस बात को लेकर निशाना बनाया गया कि वे धाराप्रवाह अंग्रेजी नहीं बोल सकते। अंग्रेजी की अनिवार्यता के बाद करीब ढाई हजार लाइसेंस निलंबित किए गए। जाहिर, उनके परिवारों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है। दलील दी जा रही है कि अमेरिका फर्स्ट की नीति के तहत विदेशी ट्रक चालकों के लिये अंग्रेजी भाषा में दक्षता अनिवार्य है।

कोच के रूप में कसौटी पर गंभीर के प्रयास

पुष्कर जैन

मौजूदा कोच गौतम गंभीर भारतीय क्रिकेट टीम में स्टार-संस्कृति को तोड़ना चाहते हैं, ठीक वैसी कोशिश जो कोच ग्रेग चैपल ने दो दशक पहले अपने कार्यकाल में की थी। इंग्लैंड में एक युवा टीम की शानदार सफलता ने उनके...मौजूदा कोच गौतम गंभीर भारतीय क्रिकेट टीम में स्टार-संस्कृति को तोड़ना चाहते हैं, ठीक वैसी कोशिश जो कोच ग्रेग चैपल ने दो दशक पहले अपने कार्यकाल में की थी। इंग्लैंड में एक युवा टीम की शानदार सफलता ने उनके प्रयोग को यह वैधता प्रदान कर दी। वहीं युवा टीम का होना उनके अनुकूल है।जब मैंने रहस्यमयी भारतीय कोच गौतम गंभीर के बारे में लिखना शुरू किया तो पृष्ठभूमि में ग्रेग चैपल की छवि आन खड़ी हुई। कोई भी दो लोग शैली, व्यक्तित्व, छवि और उपलब्धियों में इतने भिन्न नहीं हो सकते जितने कि ये दोनों, फिर भी इनके व्यक्तित्व मेरे मन में गडमड हो रहे हैं। दोनों में एकमात्र स्पष्ट समानता यह है कि जिस पद पर गौतम आज हैं, उस पर ग्रेग चैपल बतौर भारतीय टीम के कोच रहे।

2004-05 की सितारों जड़ी भारतीय टीम, सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली, राहुल द्रविड़, वीरेंद्र सहवाग, वीवीएस लक्ष्मण, अनिल कुंबले और खुद एक महान बल्लेबाज रहे ग्रेग के भारतीय कोच बनने के दिनों को याद कीजिए। जिस शालीनता और शान के साथ यह ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ी करता था, वह उनकी वाक?पटुता, खेल के तकनीकी ज्ञान के अलावा बातचीत में लोगों को कायल करने के गुण से मेल खाता था।उनके कोचिंग कार्यकाल की वह उत्साहपूर्ण शुरुआत कोई दो साल बाद एक ऐसी विभाजित टीम के कोच में रूप में समाप्त हुई, जिसके खिलाड़ी असुरक्षित और अपनी उस परछाई तक से सशंकित हो चले थे, जिससे वे कभी प्यार करते थे। टीम को स्टार-कल्चर से मुक्ति दिलाने के इरादे से ग्रेग की आमद हुई थी; लेकिन आखिर में उनकी उपलब्धि थी वेस्ट इंडीज़ में आयोजित 2007 के विश्व कप में एक सम्मान से वंचित, भ्रमित एवं अराजकता भरी टीम, जिसने भारतीय क्रिकेट को बुरी तरह प्रभावित किया।ग्रेग अंत तक अपने इस विश्वास पर अडिग थे कि भारत की समस्या प्रतिभा की कमी नहीं, बल्कि वह स्टार कल्चर है जो नए खिलाड़ियों के विकास में बाधक है और एक ऐसा पदानुक्रम बनाती है जो टीम भावना और सद्भाव के लिए नुकसानदायक है। ग्रेग ने भले ही समस्या की शिनाख्त कर ली हो, लेकिन समाधान के उनके तरीकों में उस संवेदनशीलता और भारतीय मानस की उचित समझ का अभाव रहा। जिन्हें बदलाव से झिझक है, खासकर जब यह अचानक और तेज़ी से हो, उनके लिए उनका यह तरीका विदेशी संस्कृति की उपज था। शायद जिस चीज़ ने उनको हराया।

बायोमेट्रिक वोटर कार्ड में विवादों का हल

गरीबी रेखा के नीचे

शुभम शर्मा

पिछले एक दशक में, बायोमेट्रिक मतदाता पंजीकरण (बीवीआर) जैसी तकनीक जटिल चुनावी चुनौतियों और जालसाज़ी का सामना करने के लिए रामबाण साबित हुई है। 'बीवीआर' मतदाता की विशिष्ट शारीरिक विशेषताओं का विश्लेषण करता है, ताकि उनकी पहचान और मतदान के...

पिछले एक दशक में, बायोमेट्रिक मतदाता पंजीकरण (बीवीआर) जैसी तकनीक जटिल चुनावी चुनौतियों और जालसाज़ी का सामना करने के लिए रामबाण साबित हुई है। 'बीवीआर' मतदाता की विशिष्ट शारीरिक विशेषताओं का विश्लेषण करता है, ताकि उनकी पहचान और मतदान के लिए उनकी पात्रता की पुष्टि की जा सके।

पश्चिमी अफ्रीकी देश गाम्बिया, मैं घूमने नहीं, बच्चियों का जबरन खतना किये जाने पर रिपोर्टिंग के लिए गया था। गाम्बिया मेनलैंड अफ्रीका का सबसे छोटा देश है। इसकी उत्तरी, पूर्वी, और दक्षिणी सीमा सेनेगल से मिलती है। लगभग 28 लाख की आबादी वाले इस देश की एक-तिहाई जनसंख्या अंतर्राष्ट्रीय गरीबी रेखा 1.25 डॉलर प्रतिदिन से नीचे रहती है। दिलो-दिमाग़ में बैठा हुआ था, कि यह अफ्रीकी देश काफी पिछड़ा हुआ होगा। लेकिन यह भ्रम वहां की पत्रकार फातो कमारा से मिलने के बाद टूट गया। उन्हीं से जानकारी मिली कि गाम्बिया दुनिया का पहला देश है, जहां मतदाताओं के लिए बायोमेट्रिक कार्ड 2009 में इश्यू किया गया था।सितम्बर, 2010 में भारत ने आधार कार्ड जारी किया था, जिसे वोटर कार्ड से भी पहचान के वास्ते जोड़ा जाने लगा। लेकिन यह अनिवार्य नहीं है। चुनाव आयोग ने नागरिकों के लिए अपने आधार नंबर को अपने मतदाता पहचान पत्र (जिसे चुनावी फोटो पहचान पत्र या ईपीआईसी भी कहा जाता है) से जोड़ना स्वैच्छिक बना दिया है। मतदाताओं को अपने कार्ड लिंक करते समय आधार प्रमाणीकरण के लिए अपनी सहमति फॉर्म 6-बी में देना आवश्यक है। एक बार सहमति दे देने के बाद उसे वापस लेने का कोई प्रावधान नहीं है। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट किया है, कि आधार कार्ड होना नागरिकता का प्रमाणीकरण नहीं है। पूरा देश जिस तरह नागरिकता को लेकर बहस में उलझा है, वह भारत में वोटर पहचानपत्र की वैधता पर सवाल खड़ा करता है। क्या भारत में जारी वोटर आई कार्ड दोषपूर्ण है? और यदि है, तो उसे कैसे दुरुस्त किया जा सकता है?

कई देश नागरिकता, या उससे संबंधित पहचान के उद्देश्यों के लिए बायोमेट्रिक कार्ड का उपयोग करते हैं। अल्बानिया, ब्राज़ील, नीदरलैंड और सऊदी अरब ऐसे मुल्क हैं, जिनके राष्ट्रीय बायोमेट्रिक पहचान पत्र यात्रा दस्तावेजों के लिए अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) के मानक का पूरी तरह से अनुपालन करते हैं। इसके अतिरिक्त, नॉर्वे, आइसलैंड और लिश्टेन्टाइन जैसे देश, यूरोपीय संघ के मानकों का पालन करने वाले बायोमेट्रिक पहचान पत्र जारी करते हैं। कुछ देश अपनी व्यापक राष्ट्रीय पहचान प्रणालियों में बायोमेट्रिक्स का उपयोग करते हैं, जिन्हें नागरिकता या उनकी रिहाइश से जोड़ा जा सकता है। यूरोपीय संघ के सदस्य देश बायोमेट्रिक पहचान पत्र जारी करने के लिए बाध्य हैं, और इन्हें आमतौर पर ईयू और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के भीतर वैध यात्रा दस्तावेजों के रूप में स्वीकार किया जाता है। यूरोपीय आर्थिक क्षेत्र (ईईए) के सदस्य देशों, जिनमें नॉर्वे, आइसलैंड और ऑस्ट्रिया व स्विट्ज़रलैंड के बीच छोटा सा देश लिश्टेन्टाइन शामिल हैं, उन्हें भी यूरोपीय संघ के नियमों के अनुरूप बायोमेट्रिक पहचान पत्र जारी करना आवश्यक है।कई देशों ने अनिवार्य राष्ट्रीय पहचान प्रणालियां लागू की हैं, जिनमें अक्सर विभिन्न पहचान उद्देश्यों के लिए बायोमेट्रिक डेटा, जैसे उंगलियों के निशान या चेहरे की पहचान, शामिल होता है। इनमें अर्जेंटीना, बेल्जियम, कोलंबिया, जर्मनी, इटली, पेरू और स्पेन जैसे देश शामिल हैं।

कानपुर कमिश्नर अखिल कुमार को डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन की कमान

डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन के एमडी और सीईओ बने अखिल कुमार

» अब सबसे बड़ा सवाल अखिलेश दुबे केस का क्या होगा?

शिवांग अग्निहोत्री/ स्वराज इंडिया

कानपुर। जनपद में अपनी सख्त कार्यशैली और निष्पक्ष फैसलों के लिए चर्चित रहे आईपीएस अफसर अखिल कुमार को केंद्र सरकार ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन का मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ बना दिया है। 1994 बैच के उत्तर प्रदेश कैडर के इस अधिकारी ने लखनऊ और कानपुर, दोनों जगह अपनी कार्यशैली से अलग पहचान बनाई। चाहे गैंगस्टरों पर शिकंजा कसना हो, संवेदनशील मामलों की जांच को गति देना हो या विभागीय अनुशासन को मजबूत करना हर मोर्चे पर अखिल कुमार को सख्त, ईमानदार और साफ छवि वाले अफसर के तौर पर जाना

जाता है। उनके कार्यकाल में पुलिसिंग की नई मिसालें देखने को मिलीं, जिससे उन्हें जनता और विभाग दोनों का भरोसा मिला।

उनकी इस नई नियुक्ति को केवल प्रशासनिक बदलाव नहीं, बल्कि डिजिटल इंडिया अभियान के लिए रणनीतिक कदम माना जा रहा है। डिजिटल इंडिया मिशन को नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए अनुभवी और पारदर्शी छवि वाले अफसरों की जरूरत है। अखिल कुमार की छवि इसी कसौटी पर खरी उतरती है। उनके कामकाज में टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल और प्रशासनिक पारदर्शिता हमेशा प्राथमिकता रही है। माना जा रहा है कि अब वे अपने अनुभव और कड़े फैसले लेने की क्षमता के दम पर डिजिटल इंडिया प्रोजेक्ट को और अधिक मजबूत करेंगे।

सवालों के घेरे में अखिलेश दुबे केस

अखिल कुमार के केंद्र में जाने के बाद कानपुर में सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हो गया है कि चर्चित अखिलेश दुबे केस का भविष्य क्या होगा? इस केस को खोलने और एसआईटी बनाने का फैसला खुद अखिल कुमार ने लिया था, लेकिन उनके जाने से पहले तक कई अहम सवालों के जवाब अधर में ही रह गए। एसआईटी के पास दुबे और उससे जुड़ी संस्थाओं के खिलाफ ढेरों शिकायतें मौजूद हैं। कई मामलों में जांच पूरी हो चुकी है और आरोप सही पाए गए हैं, फिर भी एफआईआर दर्ज नहीं हुई। इतना ही नहीं, पुलिस ने अब तक दुबे की रिमांड भी नहीं मांगी। दूसरी ओर केडीए ने जिन संपत्तियों को अवैध घोषित कर बुलडोज़र चलाने की तैयारी बताई थी, वे कदम भी ठंडे बस्ते में चले गए।इस चुप्पी से अब लोगों के मन में कई तरह की आशंकाएँ जन्म ले रही हैं। क्या कानपुर की दुबे एंड कंपनी से जुड़े बड़े चेहरे अब पूरी तरह सुरक्षित हो जाएंगे? क्या ये मामला धीरे-धीरे फाइलों में दबा दिया जाएगा? या फिर नया कमिश्नर पद संभालने के बाद इस केस पर कोई निर्णायक और सख्त कार्रवाई करेगा? कानपुर की जनता और पीड़ितों की निगाहें अब पूरी तरह से नए कमिश्नर की ओर टिकी हैं। अगर इस मामले में भी कार्रवाई का पैटर्न वही रहा जो गरीब और दबे-कुचले लोगों के खिलाफ देखने को मिलता है, तो यह सवाल और बड़ा हो जाएगा कि कानून अमीर और रसूखदारों के लिए क्यों ढीला पड़ जाता है।

कुत्तों को पीट-पीटकर बोरियों में भर लगाया ठिकाने

वीडियो वायरल, बेजुबानों पर बर्बरता से दहले लोग,एनजीओ की तहरीर पर आरोपियों की तलाश में पुलिस

प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर में इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। कुछ युवक आवारा कुत्तों को पकड़कर बुरी तरह पीट-पीटकर मार डालते हैं और फिर उन्हें बोरियों में भरकर ठिकाने लगाते हैं। आरोप है कि इस काम के एवज में उन्हें 500 से 2000 रुपये तक का भुगतान किया जाता है। बेजुबानों के साथ की जा रही इस हैवानियत का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने के बाद लोग दहल उठे।मामला जाजमऊ क्षेत्र का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में बाइक और स्कूटी सवार युवक कुत्तों को रस्सी से बांधकर बेरहमी से पीटते नजर आ रहे हैं। इसके बाद चारों पैर और मुंह कसकर बांधकर उन्हें बोरियों में भरकर गाड़ियों से कहीं ले जाया जा रहा है।

एनजीओ ने दी तहरीर, पुलिस ने शुरू की जांच

जानकारी के अनुसार यह खेल नगर निगम के कैटल कैचिंग दस्ते के नाम पर किया जा रहा है। कुत्तों के काटने की घटनाओं से दहशत का फायदा उठाकर कुछ विकृत मानसिकता के लोग इन युवकों को पैसे देकर बेजुबानों की हत्या करा रहे हैं।

वीडियो वायरल होने के बाद जाजमऊ नई चुंगी निवासी द फेथफुल हैंड फाउंडेशन के संचालक विद्याभूषण तिवारी ने जाजमऊ थाने में तहरीर दी है। थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि प्रचलित वीडियो की जांच की जा रही है और आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

कल से होगा श्री गणेश महोत्सव का 'श्री गणेश'

कानपुर शहर में करीब 1 हजार जगह पर आयोजित होते हैं गणेश महोत्सव

निर्मल तिवारी , स्वराज इंडिया

कानपुर । गजानन सरकार के भक्तों का इंतजार खत्म होने वाला है। कल 27 अगस्त को कानपुर में घर-घर गजानन विराजेंगे। शहर में एक हजार से अधिक छोटे बड़े पंडालों में गणपति बप्पा के भव्य स्वागत की तैयारियां युद्ध स्तर पर जारी हैं। कभी केवल महाराष्ट्र में ही धूमधाम से मनाया जाने वाला यह पर्व क्षेत्र की सीमाओं का व्युत्क्रम कर अब पूरे देश में उत्साह पूर्वक मनाया जाने लगा है। कानपुर भी इससे अछूता नहीं है। इस बार 27 अगस्त से 6 सितंबर तक 11 दिवसीय आयोजन होगा।

सज रहे आकर्षक एवं भव्य पंडाल

11 दिनों तक गणपति बप्पा के सानिध्य में रहने, उनकी कृपा पाने को आतुर गणेश भक्तों ने पंडालों को भव्य दिव्य बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

तमाम कारीगर सजावट को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं। इस बार लगातार हो रही बरसात को देखते हुए अधिकांश आयोजकों ने वाटरप्रूफ पंडाल को वरीयता दी है।

धार्मिक के साथ सांस्कृतिक आयोजनों पर भी फोकस

कानपुर में होने वाले अधिकांश गणेश महोत्सव आयोजनों में धार्मिक अनुष्ठान के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी प्रमुखता दी गई है।

इस अवसर पर कानपुर के अलग-अलग पंडालों में उत्तर भारत की परंपराओं और संस्कृति की सतरंगी छटा देखने को मिलेगी आज ही प्रतिमा लाने पर आयोजकों का जोर कल गणेश चतुर्थी के दिन बप्पा की स्थापना होनी है।

अधिकांश भक्त गाजे बाजे ढोल नगाड़े और गणपति बप्पा मोरया मंगल मूर्ति मोरया के गगनभेदी जयकारों के साथ

उत्साहपूर्वक गणेश जी की प्रतिमा को आयोजन स्थल तक ले जाते नजर आ रहे हैं। सार्वजनिक श्री गणेश महोत्सव के अधिकांश आयोजकों की प्राथमिकता गणेश जी की प्रतिमा आज ही लाने की है। मूर्तिकारों का कहना है 90त्न से ज्यादा भक्त आज ही मूर्तियां ले जाएंगे।

रनियां में एसपी का सघन चेकिंग अभियान

» ढाबों, शराब की दुकानों और सीमा बैरियर पर दबिश

» संदिग्धों पर कड़ी निगरानी, अफसरों को मिले निर्देश

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। पुलिस अधीक्षक अरविंद मिश्र ने रविवार की रात थाना रनियां क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाकर कानून व्यवस्था की नब्ज टटोल डाली।

इस दौरान उन्होंने ढाबों, धर्मशालाओं और प्रमुख स्टॉप ओवर स्थलों का औचक निरीक्षण किया। वहीं रनियां-रायपुर सीमा पर विशेष बैरियर लगाकर वाहनों की कड़ी जांच कराई गई।एसपी मिश्र ने अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए शराब की दुकानों पर भी दबिश दी। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की गहन तलाशी ली गई। अभियान का मुख्य उद्देश्य हथियारबंद अपराधियों और अवैध सामान की आवाजाही पर रोक लगाना चाहिए।

कानून-व्यवस्था मजबूत करने की बड़ी मुहिम

पुलिस अधीक्षक अरविंद मिश्र ने मौके पर मौजूद

अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को सख्त निर्देश दिए कि चेकिंग अभियान में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने और अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में की गई इस सघन कार्रवाई से स्थानीय लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। पुलिस प्रशासन का दावा है कि आगे भी इस तरह की औचक चेकिंग होती रहेगी ताकि अपराधियों में भय और जनता में विश्वास कायम रह सके।

ट्रक चालक की संदिग्ध मौत पर फैक्ट्री गेट पर बवाल

» परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप, शव रखकर किया रोड जाम

» पुलिस के आश्वासन पर कई घंटों बाद शांत हुए परिजन

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात/माती। गजनेर थाना क्षेत्र के बहावलपुर स्थित पेट्रोल डिपो के पास खड़े टैंकर का चालक रविवार रात संदिग्ध परिस्थितियों में घायल अवस्था में मिला। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मौत की खबर के बाद सोमवार शाम परिजनों ने रनियां स्थित फैक्ट्री गेट पर शव रखकर हंगामा किया और हत्या की रिपोर्ट दर्ज करने की मांग पर अड़ गए।जानकारी के मुताबिक, मृतक संजय पाल (23) पुत्र संतोष पाल निवासी मालवर थाना रनियां, रविवार रात 12 बजे डिपो पर टैंकर खड़ा करने के बाद घायल हालत में टैंकर के ऊपर पड़ा मिला। वहीं क्लीनर रौनक (30) कुछ दूरी पर गंभीर घायल पाया गया। पुलिस और परिजन दोनों को मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां संजय की मौत हो गई और रौनक को गंभीर हालत में कानपुर रेफर किया गया।

परिजनों ने लगाए जानलेवा हमले के आरोप

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में चालक की मौत करंट लगने से बताई गई, हालांकि माथे पर चोट का निशान भी पाया गया। इस पर परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया। मृतक के पिता संतोष पाल ने आरोप लगाया कि गांव के ही राजेश उर्फ भग्गू, अनीत, प्रांशू, योगेंद्र, हरपाल, जगतपाल, विपिन, रोहित और सुशील ने क्लीनर रौनक के साथ मिलकर बेटे की पिटाई कर हत्या की और शव को टैंकर के ऊपर फेंक दिया।परिजनों का कहना था कि आरोपित पहले भी मृतक को जान से मारने की धमकी दे चुके थे। आरोप लगाते हुए परिजनों ने फैक्ट्री गेट पर शव रखकर जाम कर दिया। सूचना पर सीओ सदर संजय वर्मा और रनियां थानाध्यक्ष एसएन सिंह भारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और परिजनों को कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया। शाम करीब छह बजे हंगामा थमा और परिजन शव घर ले गए।

कहिंजरी बाजार बदहाल, रोज़ी-रोटी पर संकट

» अतिक्रमण और गंदगी से व्यापारी बेहाल,प्रशासन से गुहार, कार्रवाई अब तक शून्य

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विकास खंड रसूलाबाद का ऐतिहासिक कहिंजरी बाजार, जो पिछले दो सौ वर्षों से दर्जनों गांवों के ग्रामीणों और किसानों की रोज़ी-रोटी का आधार बना हुआ है, आज बदहाली का शिकार है। अतिक्रमण और जाम पड़ी नालियों से लगातार हो रहे जलभराव ने इस बाजार को व्यापारियों और ग्राहकों दोनों के लिए अभिशाप बना दिया है। कई बार शिकायतें दर्ज कराने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई से कतराते रहे। लगभग एक साल पहले आए एडीओ पंचायत ने निरीक्षण कर साफ-सफाई और अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया था, लेकिन न कार्रवाई हुई, न ही नोटिस जारी हुए।

स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि इस हालात में अब ग्राहकों की आवाजाही लगभग बंद हो चुकी है। आसपास के डेढ़ दर्जन से अधिक गांवों—मालकापुरवा, अटिया रायपुर, अंगदपुर, धन्नीनिवादा, कपराहट, हंसपुर समेत कई इलाकों के लोग यहां रोजमर्रा का सामान लेने आते थे। परंतु गंदगी और जलभराव से परेशान होकर अधिकांश ग्राहकों ने बाजार आना छोड़ दिया। फलस्वरूप व्यापारियों का धंधा चौपट हो रहा है और रोज़ी-रोटी पर संकट खड़ा हो गया है।

गंदगी से पटी नालियां, घुटनों तक पानी

व्यापारियों का कहना है कि बाजार का मुख्य मार्ग पूरे साल पानी से भरा रहता है। बरसात के दिनों में हालात और भी भयावह हो जाते हैं, जब सड़क पर घुटनों तक पानी भर जाता है। गंदगी और कीचड़ से ग्राहकों का आना-जाना मुश्किल हो गया है। कई सब्ज़ी उत्पादक किसानों और अधिसंख्य ग्रामीणों ने अब कहिंजरी बाजार आना बंद कर दिया है, जिससे व्यापारियों की बिक्री लगातार घट रही है। अगर यही हालात बने रहे तो मजबूरी में कई दुकानदारों को अपनी दुकानें बंद करनी पड़ सकती हैं और घर तक बेचने की नौबत आ सकती है।व्यापारियों का कहना है कि अगर सड़क को ऊंचा कर दोबारा बनाया जाए और नालियों से अतिक्रमण हटाकर उन्हें पुनः निर्मित किया जाए, तो बाजार की स्थिति सुधर सकती है। लेकिन पिछले कई वर्षों से समस्या जस की तस बनी हुई है। गत 22 जुलाई 2024 को एडीओ पंचायत जयप्रकाश शुक्ला ने निरीक्षण कर वादे किए थे, मगर जमीनी हकीकत में कुछ नहीं बदला। रसूलाबाद बीडीओ विपुल विक्रम सिंह ने भरोसा दिया है कि वह एडीओ पंचायत से बात कर जल्द ही समस्या का समाधान कराएंगे। फिलहाल, व्यापारी और ग्रामीण केवल इंतज़ार कर रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

35 लाख की लागत से बना आरोग्य मंदिर बना सफेद हाथी

» तीन साल बाद भी नहीं शुरू हुआ संचालन, ग्रामीणों को करना पड़ता 10 किमी दूर इलाज

» छह हजार की आबादी इलाज के लिए दर-दर भटकने को मजबूर, अफसर बने मौन

शंकर सिंह/स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। सरकार ने ग्रामीणों की सुविधा के लिए 35 लाख रुपये खर्च कर पुलंदर गांव में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निर्माण कराया, लेकिन तीन साल गुजर जाने के बाद भी यहां न तो ताला टूटा और न ही कोई डॉक्टर बैठा। विभाग को बिल्डिंग हैंडओवर किए जाने के बावजूद अब तक संचालन शुरू न होने से यह स्वास्थ्य केंद्र सफेद हाथी साबित हो रहा है।

पुलंदर ग्राम पंचायत और उसके मजरे कैलाशपुर समेत करीब छह हजार की आबादी इलाज के लिए मजबूरन मूसानगर या देवीपुर सीएचसी तक 10 किमी. दूर चक्कर लगा रही है। ग्रामीण सत्यपाल, वीके तिवारी और राजकुमार का कहना है कि सरकार ने महज दिखावा करने के लिए लाखों खर्च कर बिल्डिंग तो बना दी, लेकिन स्वास्थ्य सुविधा आज भी दूर की कौड़ी है।ग्रामीणों का कहना है कि विभाग के अफसर अगर सक्रिय होते तो यह समस्या कब की खत्म हो चुकी होती। वर्ष 2021-22 में शुरू होकर लाखों रुपये की लागत से तैयार यह भवन अब जर्जरता की ओर बढ़ रहा है।

सीएमओ कानपुर देहात ने बताया कि संचालन न होने की जानकारी उन्हें नहीं थी। जल्द ही जांच कर अस्पताल को चालू कराया जाएगा ताकि ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

गौशालाएं बनीं गोवंश के लिए यातनागृह

» कीचड़ और गंदगी में बीमार हो रहे मवेशी

» जिम्मेदार अफसरों की लापरवाही उजागर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सरकार भले ही आवारा गोवंश को गौशालाओं में सुरक्षित रखने और उनके लिए भोजन व साफ-सफाई की पर्याप्त व्यवस्था करने का दावा कर रही हो, लेकिन रसूलाबाद क्षेत्र की हकीकत बेहद भयावह है। यहां की गौशालाएं गोवंश के लिए यातनागृह बन चुकी हैं। कीचड़ और गंदगी से भरी जमीन पर मवेशी बैठने को मजबूर हैं। नियमित सफाई न होने से स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। नतीजा यह है कि कई गोवंश बीमारी की चपेट में आ रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकार किसानों को अन्ना मवेशियों से निजात दिलाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, मगर जमीनी स्तर पर व्यवस्थाएं नदारद हैं। रसूलाबाद की मित्रसेन कहिंजरी ग्राम पंचायत में बनी गौशाला इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। बरसात में यहां की जमीन कीचड़ से बजबजा रही है। बदबू और गंदगी से गोवंश का रहना मुश्किल हो गया है। ऐसी स्थिति में गौशाला उनके लिए संरक्षण स्थल नहीं बल्कि कब्रगाह साबित हो रही है।

शिकायतों के बावजूद नहीं सुधरी व्यवस्था

ग्रामीणों का आरोप है कि गौशाला संचालक नियमित सफाई और रखरखाव को लेकर लापरवाह बने हुए हैं। कई बार शिकायत करने के बावजूद प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया।

गोवंश खुले में तो पहले से परेशान थे, अब गौशालाओं में भी उन्हें राहत नहीं मिल रही।बीडीओ रसूलाबाद विपुल विक्रम से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे बातचीत नहीं हो सकी। ग्रामीणों का कहना है कि अगर हालात ऐसे ही बने रहे तो गौशालाओं में संरक्षित गोवंश बीमारियों और मौत का शिकार होते रहेंगे। सवाल यह है कि आखिर अफसरों की लापरवाही पर कार्रवाई कब होगी?

भक्ति की तड़प ने 7वीं कक्षा के छात्र को लखनऊ से वृंदावन पहुंचा दिय?

» मां की डांट के बाद छोड़ा घर

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ।भक्ति की तड़प इंसान को किसी भी सीमा तक ले जा सकती है। यही उदाहरण देखने को मिला जब लखनऊ के पारा थाना क्षेत्र का 7वीं कक्षा का छात्र मां की डांट से नाराज होकर घर से साइकिल पर निकला और 400 किलोमीटर का सफर तय कर मथुरा के वृंदावन पहुंच गया। तीन दिन तक लगातार तलाश के बाद पुलिस ने छात्र को सुरक्षित बरामद कर परिजनों को सौंप दिया।

लखनऊ के बुद्धेश्वर इलाके का यह बच्चा 20 अगस्त की शाम किताब खरीदने के लिए अपनी मां से 100 मांग रहा था। मां ने कहा—पढ़ाई नहीं करते, जब पापा आएंगे तब रुपए मिलेंगे। यही बात उसके दिल को लग गई और नाराज होकर वह करीब साढ़े चार बजे घर से अपनी रेंजर साइकिल लेकर निकल पड़ा। देर शाम तक न लौटने पर परिजनों ने खोजबीन की और रात 8 बजे पुलिस को गुमशुदगी की सूचना दी।

मोबाइल पर सर्च की थी मथुरा की दूरी

पुलिस ने सीसीटीवी खंगाले तो छात्र कई जगह साइकिल चलाते हुए दिखाई दिया।

जांच में यह भी सामने आया कि उसने मां के मोबाइल से मथुरा की दूरी गूगल पर सर्च की थी। यही खोज उसकी भक्ति यात्रा की पहली सीढ़ी साबित हुई।

आगरा एक्सप्रेस-वे से ट्रक में बैठकर पहुंचा आगरा

सीसीटीवी फुटेज में बच्चा काकोरी स्थित रेवरी टोल प्लाजा पर साइकिल से जाता दिखा। फिर बांगरमऊ कट से एक ट्रक पकड़ लिया। आगरा पहुंचकर उसने दोबारा साइकिल से यमुना एक्सप्रेस-वे का रास्ता लिया और वृंदावन की ओर निकल गया।

वृंदावन में प्रेमानंद महाराज के दर्शन की चाह

छात्र ने पुलिस को बताया कि वह प्रेमानंद महाराज का भक्त है और लंबे समय से उनके प्रवचन व वीडियो देखता था। उन्हीं से मिलने की तीव्र ख्वाहिश ने उसे यह कठिन यात्रा करने के लिए प्रेरित किया। वृंदावन पहुंचते ही उसने शर्ट उतारकर साइकिल की हैंडिल में बांध दी और रास्तेभर राधे-राधे नाम का जाप करता रहा।

भक्ति ने दिलाई मंजिल, पुलिस ने लौटाया घर

करीब 400 किलोमीटर की यात्रा पूरी कर बच्चा जब वृंदावन पहुंचा तो पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए उसे सुरक्षित ढूंढ निकाला।

फिर डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देश पर उसे परिवार को सौंपा गया।

यह घटना केवल एक गुमशुदगी का मामला नहीं, बल्कि इस बात का प्रतीक है कि ईश्वर और संतों के प्रति बच्चों के मन में कैसी सच्ची आस्था और मासूम भक्ति हो सकती है। छोटी उम्र में भी अगर श्रद्धा हृदय में घर कर जाए तो इंसान कठिन से कठिन सफर तय करने में सक्षम हो जाता है।

कानपुर विकास प्राधिकरण
द्वारा
15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं...
विभिन्न योजनाओं में आवासीय/गैर आवासीय भूखण्डों का ई-ऑक्शन
पहले भूखण्ड देखें
फिर बोली लगाएं
ई-ऑक्शन हेतु पंजीकरण अवधि 25.08.2025 पूर्वान्ह 11 बजे से 23.09.2025 अपरान्ह 5 बजे तक
549 भूखण्डों (प्लॉट्स) का ई-ऑक्शन
ई-ऑक्शन में बोली लगाने की अवधि 26.08.2025 पूर्वान्ह 11 बजे से 24.09.2025 अपरान्ह 5 बजे तक
ई-ऑक्शन के माध्यम से विज्ञापित आवासीय/गैर आवासीय भूखण्डों का विवरण

क्रम सं.	योजना का नाम	क्षेत्रफल (वर्गमी.)	भू-उपयोग	भूखण्डों की संख्या	न्यूनतम आरक्षित दर प्रति वर्ग मी. (रू. में)
01	महावीर नगर विस्तार योजना	517-798	नर्सरी स्कूल	05	36900
02	महावीर नगर विस्तार योजना	1832.90	नर्सिंग होम	1	55200
03	शताब्दी नगर योजना	977	पेट्रोल पम्प	1	73700
04	मन्दाकिनी इन्क्लेव	582	नर्सिंग होम	1	55200
05	महावीर नगर विस्तार	86-1091	व्यवसायिक	66	81000
06	शताब्दी नगर	112.50-200	व्यवसायिक	38	81000
07	स्टेडियम (दुकान/कॉम्प्लेक्स)	12.58-2713.22	व्यवसायिक	49	56700-139300
08	पनकी भौसिंह(रेस्ट एण्ड रिफ्रेश)	1426.88	व्यवसायिक	01	73700
09	पनकी	561	नर्सिंग होम	01	51950
10	पनकी	260.30-271.00	व्यवसायिक	02	67500-74200
11	कैंटिल कालोनी	144-925	व्यवसायिक/दुग्ध व्यवसाय	06	13200-31100
12	न्यू ट्रान्सपोर्ट नगर	90.00-2031.92	व्यवसायिक	232	32000
13	जवाहरपुरम	200	आवासीय	04	36900
14	शताब्दी नगर	112.50-200	आवासीय	13	36900
15	पनकी	603.68	आवासीय	01	37000
16	भागीरथी एवं जाहन्वी	112.50-5596.28	व्यवसायिक	97	50500-80850
17	स्वर्ण जयन्ती विहार	24.68	दुकान	03	45600
18	किदवई नगर वाई-1	167.29	व्यवसायिक	11	87900
19	सुजातगंज	167.22-297.66	आवासीय	13	38100-42000
20	स्वर्ण जयन्ती विहार	112.50-180	आवासीय	04	35200

*'ई ऑक्शन' के लिए अधिकृत इंडियन बैंक
विस्तृत विवरण तथा नियम व शर्तें प्राधिकरण की वेबसाइट www.kdaindia.co.in के ई-ऑक्शन पोर्टल पर उपलब्ध है।
भूखण्डों के नम्बर एवं वास्तविक क्षेत्रफल/दर के सम्बन्ध में वेबसाइट पर देखकर ही पंजीकरण/बोली लगायें

कुमारगंज संयुक्त चिकित्सालय में लापरवाही से बदल गई ब्लड रिपोर्ट

» महिला मरीज की जान पर बना संकट, केजीएमयू डॉक्टरों ने बचाई जिंदगी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। सौ सैय्या संयुक्त चिकित्सालय कुमारगंज में लापरवाही का ऐसा मामला सामने आया है जिसने चिकित्सा तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पैथोलॉजी विभाग में की गई खून की गलत जांच रिपोर्ट ने एक महिला मरीज की जान खतरे में डाल दी।इनपुट के अनुसार खंडासा थाना क्षेत्र के राय पट्टी गांव निवासी आशीष कुमार सिंह अपनी पत्नी नंदिनी सिंह का इलाज संयुक्त चिकित्सालय कुमारगंज में करा रहे थे। 1 अगस्त को पैथोलॉजी जांच में महिला का ब्लड ग्रुप नेगेटिव बताया गया।

बाद में प्रसव पीड़ा बढ़ने पर मरीज को मेडिकल कॉलेज अयोध्या रेफर किया गया, जहां बिना नई जांच किए रिपोर्ट को सही मान लिया गया और फिर लखनऊ मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया। लखनऊ मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने ब्लड की जांच कराई तो रिपोर्ट में महिला का ब्लड ग्रुप बी पॉजिटिव निकला। समय रहते सही रिपोर्ट आने से महिला की जान बची और सुरक्षित प्रसव हो सका।

शिकायत और बहानेबाजी

घटना के बाद पीड़ित पति ने सीएमएस को शिकायती पत्र सौंपा। हालांकि, सीएमएस ने सिर्फ कार्यवाही का आश्वासन देकर उन्हें लौटा दिया।

सवाल.....

-प्रशासनिक सवाल गलत रिपोर्ट कैसे बनी?

-बिना जांच किए रेफर करने का आदेश क्यों दिया गया?

-क्या जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी या मामला दबा दिया जाएगा?

पीड़ित आशीष कुमार सिंह का कहना है कि वह मामले को लेकर न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे और दोषियों को सजा दिलाकर रहेंगे।

पैथोलॉजिस्ट डॉ. प्रशांत कुमार का कहना है कि रिपोर्ट तैयार करने का कार्य अन्य कर्मी भी करते हैं, उन्हें जानकारी नहीं थी।

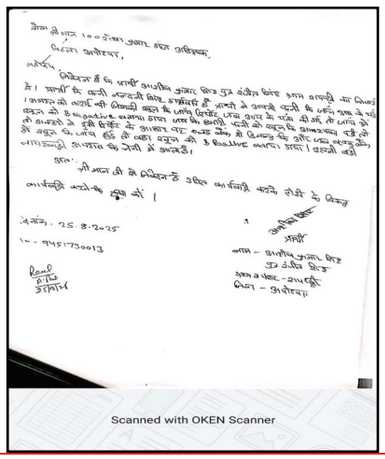

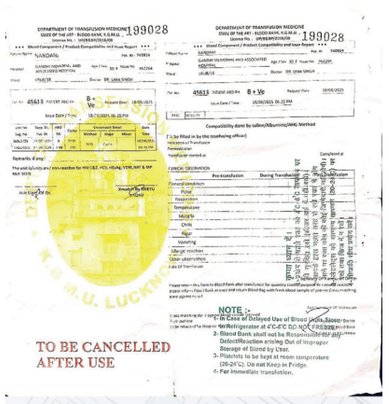

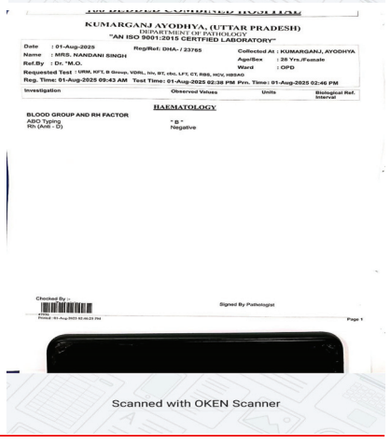

कागजों में विकास- बिना हस्ताक्षर के लाखों का भुगतान

ग्राम पंचायत पुरखेपुर में मानदेय भुगतान में गड़बड़झाला उजागर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। विकासखंड पूरा बाजार की ग्राम पंचायत पुरखेपुर में भ्रष्टाचार की परतें एक बार फिर खुल गई हैं। यहां लाखों रुपये के मानदेय भुगतान बिना ग्राम प्रधान और सचिव के हस्ताक्षर, बिना तारीख व बिना मुहर के कर दिए गए। यह खुलासा ई-स्वराज पोर्टल पर अपलोड बिलों की जांच में हुआ है।

जांच में सामने आया कि पंचायत से जुड़े निर्माण कार्यों—जैसे चबूतरा निर्माण, इंटरलॉकिंग, मरम्मत कार्य और सामुदायिक शौचालय—के नाम पर रसीदों में सीधे कंसल्टिंग इंजीनियर और सप्लायर के नाम भुगतान दर्ज है।

23 जुलाई 2024 को 20,500 रुपये फोटोकॉपी और वॉल पेंटिंग के नाम। 18 फरवरी को फिर उसी संस्था को 27,500 रुपये का भुगतान। नियमों के अनुसार, पंचायत सचिव और ग्राम प्रधान के सत्यापन के बिना कोई भी भुगतान संभव नहीं है, फिर भी रसीदों पर न हस्ताक्षर, न मुहर—सिर्फ राशि और नाम दर्ज कर भुगतान कर दिया गया।

जिम्मेदार अधिकारी अनजान!

जब इस संबंध में एडीओ पंचायत पूरा, रवींद्र वर्मा से पूछा गया, तो उन्होंने कहा मुझे इस तरह की जानकारी नहीं है। यदि ऐसा हुआ है तो जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

क्या पंचायत के खातों में फर्जी भुगतान का

यह पहला मामला है, या सिर्फ एक और परत खुली है बड़े घोटाले की? क्या यह जांच में दब जाएगी या जिम्मेदारों पर होगी सख्त कार्रवाई?

यूपी चुनाव से पहले अखिलेश यादव का बड़ा कदम

सभी जिला, विधानसभा प्रभारियों को हटाया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पाटीज़ के मुखिया अखिलेश यादव पाटीज़ के संगठन में बड़ा बदलाव करने की तैयारी में हैं। पाटीज़ ने यूपी के सभी जिला और विधानसभा क्षेत्र के सभी प्रभारियों को हटा दिया है। यूपी में अगले साल होने वाले पंचायत चुनाव और 2027 के विधानसभा चुनाव के पहले अखिलेश यादव पाटीज़ संगठन को चुस्त दुरुस्त करने चाहते हैं।

कई प्रभारियों के कामकाज से खुश नहीं थे अखिलेश : पार्टी नेताओं का कहना है कि अभी जो ज़िला और विधानसभा प्रभारी थे। उन्हें अलग-अलग समय पर अलग-अलग काम के लिए बनाया गया था। बहुत सारे ऐसे प्रभारी थे जो पार्टी के 'अपना बूथ करो मजबूत' अभियान के दौरान बनाये गए थे। इनमें से कई को हटा दिया गया है। वहीं कुछ नेताओं की शिकायतें अखिलेश यादव तक पहुंची हैं।

सपा जल्द जारी करेगी नई सूची : सूत्रों का कहना है कि अखिलेश यादव इनमें से कई प्रभारियों से खुश नहीं थे। अखिलेश यादव चाहते हैं कि जिला प्रभारी हो या विधानसभा प्रभारी ऐसे नेता को बनाया जाए जो मजबूती से काम करें। अब समाजवादी पार्टी नए सिरे से जिला और विधानसभा प्रभारी बनाकर लिस्ट जारी करेगी। पार्टी सूत्रों ने बताया कि 2027 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए पार्टी अपने संगठन को मज़बूत कर रही है और जल्द ही नए प्रभारियों के नामों की घोषणा की जाएगी।

अखिलेश ने बीजेपी पर साधा निशाना : वहीं, संविधान के एक सौ तीसवां संशोधन विधेयक 2025 पेश किए जाने को लेकर केंद्र पर अपना हमला जारी रखते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि "जो दूसरों के लिए गड्ढा खोदते हैं, वे अंततः खुद उसमें गिर जाते हैं"। एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने दावा किया, "दुनिया की सभी तानाशाह सरकारें समय-समय पर इसी तरह के कानून लाती हैं ताकि वे हमेशा सत्ता में बनी रहें, लेकिन कोई भी सरकार टिक नहीं पाई। सभी सरकारों ने सत्ता खो दी। इटली, जर्मनी, रूस इसके उदाहरण हैं।"

सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि पीडीए समुदाय लगातार अन्याय और उत्पीड़न का सामना कर रहा है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया, "सरकार भेदभाव कर रही है। बाबासाहेब अंबेडकर द्वारा दिया गया आरक्षण छीना जा रहा है। नौकरियां, रोजगार, आरक्षण भाजपा सरकार के एजेंडे में नहीं हैं।"

जम्मू में बारिश और बादल फटने से तबाही

रोकी गई वैष्णो देवी यात्रा, कई रास्ते बंद

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कटरा। जम्मू में लगातार भारी बारिश और बादल फटने की घटना से डोडा जिले में भारी तबाही हुई है। इसी के चलते वैष्णो देवी यात्रा को फिलहाल रोक दिया गया है। जम्मू में लगातार तीसरे दिन बारिश से हालात बद्तर होते जा रहे हैं। डोडा में बादल फटने की घटना से भी भारी तबाही हुई। इस प्राकृतिक आपदा के कारण 10 से ज्यादा मकान तबाह हो गए हैं, जिससे स्थानीय निवासियों के बीच दहशत का माहौल है। इसी के चलते वैष्णो देवी यात्रा को फिलहाल रोक दिया गया है।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमाग पर यातायात स्थगित : बता दें कि डोडा जिले के थाथरी उप-मंडल में बादल फटने से भारी तबाही हुई। गनीमत ये है कि इस घटनाअभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है, लेकिन प्रभावित क्षेत्र में राहत और बचाव का काम तेजी से शुरू कर दिया गया है। वहीं, जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात स्थगित कर दिया गया।

बारहमासी राजमार्ग पर रोकी गई आवाजाही : देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाले एकमात्र बारहमासी राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही जम्मू के उधमपुर और कश्मीर के काजीगुंड में रोक दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि मोधोपुर बैराज का जलस्तर एक लाख क्यूसेक के स्तर को पार कर गया है।

27 अगस्त तक अलर्ट

मौसम पूर्वानुमान में 27 अगस्त तक जम्मू, सांबा, कठुआ, रियासी, उधमपुर, राजौरी, रामबन, डोडा और किश्तवाड़ जिलों में कई स्थानों पर मध्यम से भारी बारिश होने तथा ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बादल फटने, अचानक बाढ़ आने और भूस्खलन की संभावना जताई गई है।

'नई पारी'

पुलवामा में देखने को मिला ऐतिहासिक नजारा, क्रिकेट ने बदली तस्वीर

कश्मीर में जहां था आतंकवाद का डेरा, वहां लग रहे चौके-छक्के

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कश्मीर। पुलवामा ने 25 अगस्त की रात इतिहास रच दिया जब यहां पहली बार फ्लडलाइट्स के नीचे क्रिकेट मैच खेला गया। रॉयल प्रीमियर लीग का उद्घाटन मुकाबला रॉयल गुडविल और सुल्तान स्प्रिंग्स बारामुला के बीच हुआ। हजारों दर्शक इस ऐतिहासिक मौके का हिस्सा बने, और युवाओं के लिए खेल ने नई उम्मीद और अवसरों का संदेश दिया।

दक्षिण कश्मीर के पुलवामा में एक ऐतिहासिक नजारा देखने को मिला, जब पहली बार फ्लडलाइट्स की रोशनी में क्रिकेट का रोमांचक मुकाबला खेला गया। यह आयोजन सिर्फ एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि युवाओं के लिए उम्मीद और नई शुरुआत का संदेश बनकर उभरा है।

पुलवामा में कहां हुआ क्रिकेट मैच? : पुलवामा स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेले गए रॉयल प्रीमियर लीग के उद्घाटन मैच ने हजारों दर्शकों को अपनी ओर खींचा। इस मुकाबले में रॉयल गुडविल और सुल्तान स्प्रिंग्स बारामूला की टीमें आमने-सामने थीं। इस टूर्नामेंट में कुल 12 टीमें जम्मू-कश्मीर के अलग-अलग जिलो से हिस्सा ले रही हैं।

पीडीपी विधायक वहीद-उर-रहमान पारा ने इस आयोजन को युवाओं की जिंदगी में 'नई पारी की शुरुआत' बताया। उन्होंने कहा, यह सिर्फ क्रिकेट नहीं, बल्कि उम्मीद और नई अवसरों का मौका है।

पुलवामा-दर्द से उम्मीद की ओर : अनंतनाग, कुलगाम और शोपियां सहित दक्षिण कश्मीर के अन्य जिलों के साथ पुलवामा को आतंकवादी समूहों का गढ़ माना जाता हैं, लेकिन अब इसकी तस्वीर बदलती हुई दिख रही है।

खेल से बदलती तस्वीर : इस टूर्नामेंट का मकसद स्थानीय खिलाड़ियों को प्रोफेशनल मंच देना और युवाओं को नशे व हताशा से दूर कर सकारात्मक ऊर्जा की ओर मोड़ना है।